Dr•Navin Chandra Sharma
Assistant Professor
Dept of psychology
Maharaja Bahadur Ram Ran Vijay Prasad Singh College Ara
Date; 24/02/2026

Class: P.G Semester - 4th

Clinical Psychology,

Topic :-
मानसिक स्वास्थ्य का मापन
Measurement of Mental Health

पैदानिक मूल्यांकन (Clinical Assessment) शब्दकोशों में मूल्यांकन (assessment) शब्द को मुल्य (Value or worth) के आकलन (estimate) के अर्थ में परिभाषित किया गया है। लेकिन नैदानिक मनोविज्ञान के मेम में (assessment) शब्द का व्यवहार एक ऐसी प्रक्रिया के अर्थ में किया जाता है, जिसके द्वारा नैदानिक मनोवैज्ञानिक अथवा कोई अन्य व्यक्ति किसी सेषार्थी या रोगी (Patient) के संबंध में किसी तरह का आकलन या अनुमान करता है। विभिन्न मनोवैज्ञानिकों में नैदानिक मूल्यांकन (Clinical assessment) को परिभाषित करने का प्रयास किया है। निरजेल, वर्नस्टीन तथा मिलिय (Nietzel, Bernstein and milich, 1994) के अनुसार "मूल्यांकन वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा ऐसी सूचना एकत्र की जाती है. जिसका उपयोग महत्वपूर्ण निर्णयों के लिए एक आधार के रूप में किसी निर्धारक अथवा ऐसे लोगों के द्वारा किया जाता है, जितना परिणामों को संचालित किया जाता है।" "Assessment is the process of collecting information to be used as the basis for informed decision by the assessee or by Those to whom results are communicated,"-Nietzel, Bernstein and milich, 1994 P. 80. लेकिन इस परिभाषा में अतिव्याप्ति का दोष (fallacy of too wideness) पाया जाता है। इससे नैदानिक मूल्यांकन का स्वरूप स्पस्ट नहीं हो पाता है। इस संदर्भ में कोरचिन (Korchin, 2003) की परिभाषा अधि क संतोषजनक है। उनके अनुसार "नैदानिक मूल्यांकन वह प्रक्रिया है, जसके द्वारा चिकित्सक रोगी के संबंध में महत्वपूर्ण निर्णय लेने के लिए आवश्यक जानकारी प्राप्त करते हैं।" Clinical assessment is the process by which clinicians gain in understanding of the patient necessary for making informed decisions." Sheldon J. korchin-modern clinical Psychology-2003, P. 124. सबसे अधिक स्पष्ट एवं संतोष जनक परिभाषा मरफी तथा तैविड शोफर द्वारा दी गई है। इनके अनुसार "नैदानिक मूल्यांकन का तात्पर्य सूचना के विभिन्न पक्षों के ऐसे समाकलन से है, जिससे मूल्यांकन किये जाते वाले व्यक्ति की वर्तमान स्थिति का समग्र मूल्यांकन हो सके।" clinical assessment refers to the integration of multiple pieces of information into an overall evaluation of the present state of the individual being assessed"-Murphy and Davidshofer,

नैदानिक मूल्यांकन की उपर्युक्त परिभाषाओं से इसके स्वरूप की निम्न विशेषताओं का पता चलता है-

(1) नैदानिक मूल्यांकन एक प्रक्रिया है जिसके द्वारा किसी रोगी के संबंध में आवश्यक सूचानायें एकत्र करने का प्रयास किया जाता है। रोगी का मूल्यांकन करते समय चिकित्सक का उद्देश्य उसके संबंध में आवश्यक जानकारी प्राप्त करता है (Wegging, 1973)

(2) नैदानिक मूल्यांकन के समय रोगी के संबंध में प्राप्त की गयी सूचनाओं को एक विशेष ढंग से समवित किया जाता है ताकि रोगी का समस्त मूल्यांकन (Over all assessment) किया जा सके।

(3) नैदानिक मूल्यांकन करते समय ई नैदानिक परीक्षणों का उपयोग किया जाता है। ऐसे परीक्षणों में बुद्धि परीक्षण (intelligence tests), व्यक्तित्व परीक्षण आदि प्रमुख है (Korchin and schuldberg, 1981) इन परीक्षणों के द्वारा रोगी के संबंध में आवश्यक सूचनायें प्राप्त की जाती है।

मानसिक स्वास्थ्यः हस्तक्षेप मौहल मापन, नैदानिक मूल्यांकन के उद्देश्य एवं संघटक

(4) मूल्यांकन के लिए कुछ विशेष प्रविधियों (techniques) का भी उपयोग किया जाता है। इनमें साधारकार (interview) व्यक्ति अध्ययन (case study) आदि प्रमुख है (wade and Baker, 1977) इन प्रविधियों के आधार पर, भी रोगी के संबंध में सगत सूचनायें हासिल की जाती है।

(5) नैदानिक मूल्यांकन नैदानिक प्रतिवेशों (clinical settings) के साथ-साथ गैर नैदानिक वातावरण (Nonclinical settings) में भी संचालित किया जाता है नैदानिक वातावरण में चिकिलाक (Clinician) आवश्यक उपकरणों की सहायता से मूल्यांकन का कार्य करते हैं। गैर नैदानिक वातावरण में विद्यालय का कार्य करते हैं। गैर नैदानिक वातावरण में विद्यालय-मनौवैज्ञानिक तथा आद्धोगिक मनोवैज्ञानिक क्रमशः बालकों तथा प्रबन्ध प्रशिक्षार्थियों का मूल्यांकन करते हैं (Murphy and Davidshofer, 1988)

(6) नैदानिक मूल्यांकन की एक विशेषता यह भी है कि यहाँ रोगी या सेवार्थी के वर्गीकरण (Clarification) का प्रयास किया जाता है। विभिनन सोतों (songces) से प्राप्त सूचनाओं को संकलित करके रोगी को मानसिक विकृति या व्यवहार विकृति के एक निश्चत वर्ग में रखा जाता है।

(7) नैदानिक मूल्यांकन का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि चिकित्सक रोगी के लिए किसी अनुकूल मनोचिकित्सा या उपचारी शिक्षा की सलाह देते हैं।